Government of India

Media Scanning & Verification Cell

Media alert from the Media Scanning & Verification Cell, IDSP-NCDC.

Alert ID	Publication Date	Reporting Date	Place Name	News Source/Publication Language
6666	22.04.2022	22.04.2022	Jabalpur Madhya Pradesh	www.jagran.com/Hindi https://www.jagran.com/madhya-pradesh/bhopal-with-the-knock-of-scrub-typhus-in-jabalpur-the-threat-of-leptospirosis-has-also-arisen-22649429.html
Title:	**Scrub typhus in Jabalpur the threat of leptospirosis has also arisen, Madhya Pradesh**			
Action By CSU, IDSP –NCDC	Information communicated to District – Jabalpur, SSU- Madhya Pradesh			

कोरोना की तीसरी लहर कमजोर होते ही दुर्लभ श्रेणी के रोग स्क्रब टाइफस के मामले सामने आने लगे जबलपुर समेत कई जिलों में स्क्रब टायफस के मरीजों की पुष्टि हो रही है। आईसीएमआर एनआईआरटीएच द्वारा कुछ संदिग्ध मरीजों की जांच में स्क्रब टाइफस के मरीजों की पहचान के बाद जबलपुर समेत अन्य प्रभावित जिलों में शासन स्तर से अलर्ट जारी कर दिया गया है। ज्ञात हो कि वर्ष 2021 में कैंट व मझौली क्षेत्र में स्क्रब टाइफस के मरीजों की पुष्टि हुई थी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रत्नेश कुरारिया ने बताया कि अलर्ट के चलते प्रखंड चिकित्साधिकारियों और अस्पतालों के प्रभारी डॉक्टरों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। ताकि संदिग्धों पर नजर रखते हुए समय से जांच की जा सके। जबलपुर में मिले संदिग्ध मरीजों के सैंपल जांच के लिए एम्स भोपाल भेजे जाएंगे। इधर, पन्ना, सतना, दमोह, सीधी, सिंगरौली, बालाघाट जिलों सहित जबलपुर में स्क्रब टाइफस को लेकर शासन स्तर से अलर्ट जारी किया गया है।

लेप्टोस्पायरोसिस का भी खतरा

स्क्रब टाइफस के साथ-साथ जबलपुर को लेप्टोस्पायरोसिस रोग की चपेट में भी माना जाता है। लेप्टोस्पाइरा बैक्टीरिया से होने वाली यह बीमारी जानवरों से इंसानों में फैलती है। घरेलू पशुओं, विशेष रूप से चूहों के मलमूत्र से फैलने वाले बैक्टीरिया मानव शरीर में प्रवेश करते हैं। ये बैक्टीरिया त्वचा पर हल्की चोट या दरार के जरिए शरीर में प्रवेश कर जाते हैं, जो स्वस्थ व्यक्ति को बीमार कर सकते हैं। विक्टोरिया अस्पताल के

फार्माकोलॉजिस्ट डॉ. संदीप भगत ने कहा कि लेप्टोस्पायरोसिस से पीड़ित मरीजों को तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, दस्त, लाल आंखें, पीलिया, जोड़ों में दर्द, थकान, ठंड लगना, दिमागी बुखार, बहरापन और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण होते हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी इस बीमारी के मरीज मिल चुके हैं।

स्क्रब टाइफस क्या है?

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रत्नेश कुरारिया ने बताया कि जंगली इलाकों, खेतों के आसपास खास तरह के पिस्सू पाए जाते हैं। खटमल की तरह दिखने वाले ये पिस्सू जानवरों से चिपक जाते हैं और उनका खून चूसकर जीवित रहते हैं। पिस्सू की लार में बैक्टीरिया पाए जाते हैं। अगर ये पिस्सू किसी इंसान को काटते हैं तो उनकी लार में मौजूद बैक्टीरिया खून में फैल जाते हैं। जिससे स्क्रब टायफस होता है। इस बीमारी में डेंगू की तरह खून में प्लेटलेट्स की मात्रा कम होने लगती है।

लक्षण

रोगी को 104 डिग्री तक तेज बुखार, सिरदर्द, खांसी, त्वचा पर लाल चकत्ते, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, शरीर के लक्षण विकसित होते हैं। समय पर इलाज न कराने पर निमोनिया का खतरा बढ़ जाता है। किडनी और लीवर पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। रोगी बेहोशी की स्थिति में जा सकता है।

इससे बचाव के उपाय

-घर के आसपास पानी जमा न होने दें।

-खेत में काम करते समय पूरी बाजू के कपड़े पहनें और शरीर को ढक कर रखें।

-घर से निकलते समय खासकर बच्चों को पूरी बाजू के कपड़े पहनने चाहिए।

-खाद्य पदार्थों को चूहों की पहुंच से दूर रखें। चूहों के संपर्क में आए भोजन का सेवन न करें।

-घर के आसपास चूहों की संख्या में वृद्धि को रोकने के उपाय करें।

-अगर आपको खेतों, जंगलों, झाड़ियों में जाना है तो पूरी बाजू के कपड़े पहनें।

-घास, फूस और झाड़ियों में बैठने या आराम करने से दूरी बनाकर रखें। घर के चारों ओर घास-फूस और झाड़ियां काटकर जला दें।

-शरीर को साबुन से धोकर किसी मोटे कपड़े से मलें।

-शरीर पर सिगरेट से जले जैसे निशान दिखने, सिर दर्द, बदन दर्द, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, तेज बुखार और उल्टी-दस्त जैसे लक्षण दिखने पर बिना देर किए डॉक्टरी सलाह लें।

घरों से मिले संक्रमित चूहे

स्क्रब टाइफस का पता लगाने के लिए पिछले साल मरीजों के घरों से चूहों को पकड़ा गया था और उनके आर्गन का परीक्षण आईसीएमआर एनआईआरटीएच में किया गया था। रैपिड रिस्पांस टीम के सदस्य भोपाल से जबलपुर आए थे ताकि पता लगाया जा सके कि यह बीमारी घरों तक कैसे पहुंची। टीम ने संक्रमित मरीजों के घरों से चूहों को पकड़ा और उनका परीक्षण कराया।

स्क्रब टाइफस को लेकर संभाग के सभी जिलों को अलर्ट भेज दिया गया है। जबलपुर में फिलहाल स्क्रब टाइफस का कोई मरीज नहीं मिला है। सभी अस्पतालों को अलर्ट जारी कर बुखार के मरीजों पर विशेष नजर रखने को कहा गया है ताकि स्क्रब टाइफस के लक्षण पाए जाने पर समय पर जांच हो सके।

- डॉ. संजय मिश्रा, क्षेत्रीय निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं